हरिकथामृथसार
अवरोहण तारतम्य संधि

हरिकथामृथसार गुरुगळ करुणधिम्धापनिथु पेळुवे
परम भगवध्भक्थरिधनाधरधि केळुवुधु

संधि सूचने:

श्रीरमण निजभक्तरेनिसुव
वारिजासन मुख्य निजर
तारतम्यव पेळवे संऐपदलि गुरुबलदि

केशवगे नारायणिगे कम
लासन समीररिगे वाणी
वीश फणिप महेशरिगे षण्महिषियर पदके
शेष ऋद्रर पत्नियरिगे
वासव प्रद्युम्नरिगे सं
तोषदलि वंदिसुवे भक्तिज्झन्यान कोडलेंदु २६-०१

प्राणदेवगे नमिपे कामन
सूनु मनु गुरु दअ शचि रति
मानिनियरिगे प्रवहदेवगे सूय सोम यम
मानविगे वरुणनिगे वीणा
पाणि नारदमुनिगे नमिसुवे
ज्झन्यान भक्ति विरक्ति मागव तिळिसलेनगेंदु २६-०२

अनल भृगु दाआयणियरिगे
कनकगभज सप्तऋषिगळि
गेणेयेनिप वैवस्वतमनुवु गाधि संभवगे
दनुज निरऋति तार प्रावहि
वनजमित्रगे अश्विनि गणपगे

धनप विष्वक्सॆनरिगे वंदिसुवेननवरत २६–०३

उक्तदॆवकळनुळिदु एं
भत्तैदु जनरुगळु मनुगळु
चथ्य चावन यमळरिगे कमजरेनिसुतिप्प
कातिवीयाजुनरे प्रमुख श
तस्थरिगे पजन्य गंगा
दित्य यम सॊमानिरुद्धर पत्नियर पदके २६–०४

हुतवहाधांगिनिगे चंद्रन
सुत बुधगे नामात्मिकॊशा
सतिगे छायात्मज शनैश्चरगानमिपे सतत
प्रतिदिवसदलि बिडदे जीव
प्रतति माडुव कमगळिगधि
पतियेनिप पुष्करन पादांबुजगळिगे नमिपे २६–०५

आनमिपे आजानजरिगे कृ
शानुसुतरिगे गॊव्रजदॊळिह
मानिनियरिगे चिरपितरु शतन्यून शतकॊटि
मौनिजनरिगे दॆव मानव
गान प्रौढरिगवनिपरिगे र
मानिवासन दासवगके नमिपेननवरत २६–०६

अनुक्रमणिक तारतम्यव
ननुदिनदि सद्भक्ति पूवक
नेनेवरिगे धमाथकामादिगळु फलिसुवुवु
वनजसंभव मुख्यरवयव
रेनिसुवरु जगन्नाथ विठलगे
विनयदिंदलि नमिसिकॊंडाडुतिरु मरेयदले २६–०७